[This question paper contains 8 printed pages.]

5783 *आपका अनुक्रमांक* .....

B.A. (Programme)/I **E**

HINDI LANGUAGE (A)—Paper I

हिंदी भाषा (क)-प्रश्नपत्र I

(प्रवेश वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 75*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र पर इसके अलावा और कुछ मत लिखिए।

टिप्पणी : *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।*

1. किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) मनुष्य जाति जब जीवन के लिए अधिक सुविधाएँ प्रदान करने वाले प्रदेशों में फैलने लगी तब उसके भिन्न-भिन्न समूहों को

P.T.O.

अपनी शक्तियों का दृढ़तर संगठन करने की आवश्यकता ज्ञात हुई, अन्यथा वे नई परिस्थितियों और नए शत्रुओं से अपनी रक्षा करने में समर्थ न हो पाते। भिन्न-भिन्न व्यक्तियों में बिखरी हुई उच्छृंखल शक्ति जाति के लिए दुर्बलता बन जाती है, यह पाठ मनुष्य- समूह ने अपने जीवन के आरंभ में ही सीख लिया था, इसी से वह उसे एकता के सूत्र में बांधकर अपने आपको सबल बना सकता। अनेक व्यक्ति एक ही स्थान में एक-दूसरे के निकट बसने लगे, परस्पर सहानुभूति और सद्भाव उत्पन्न करने के लिए एक-दूसरे का खाद्य और आच्छादन छीन लेने की प्रवृत्ति को रोकने लगे और विजाति से युद्ध के समय शक्ति को संगठित रखने के लिए अपने समूह विशेष के किसी अग्रगण्य वीर का शासन मानना सीखने लगे।"

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ तथा लेखक का नाम बताइये।

(ii) मनुष्य को समूह में रहने की प्रेरणा कैसे मिली?

(iii) "एकता के सूत्र में बाँधकर अपने आपको सबल बना सका-" का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iv) विकास के इस इतिहास-क्रम में मनुष्य का प्राथमिक उद्देश्य क्या था?

(v) 'दुर्बलता' और 'उच्छृंखल' शब्दों के अर्थ बताइये।

(ख) ईसा की अठारहवीं शताब्दी के अंतिम भाग में वही काशी नहीं रह गई थी, जिसमें उपनिषद् के अजातशत्रु की परिषद् में ब्रह्मविद्या सीखने के लिए विद्वान ब्रह्मचारी आते थे। गौतम बुद्ध और शंकराचार्य के धर्म-दर्शन के वाद-विवाद, कई शताब्दियों

से लगतार मंदिरों और मठों के ध्वंस और तपस्वियों के वध के कारण प्रायः बंद-से हो गए थे। यहाँ तक कि पवित्रता और छुआछूत में कट्टर वैष्णव-धर्म भी उस विशृंखला में, नवागन्तुक धर्मोन्माद में अपनी असफलता देखकर काशी में "अघोर" रूप धारण कर रहा था। उसी समय समस्त न्याय और बुद्धिवाद को शस्त्र-बल के सामने झुकते देखकर काशी के विच्छिन्न और निराश नागरिक जीवन ने एक नवीन संप्रदाय की सृष्टि की। वीरता जिसका धर्म था। अपनी बात पर मिटना, सिंह-वृत्ति से जीविका ग्रहण करना, प्राण-भिक्षा मांगने वाले कायरों तथा चोट खाकर गिरे हुए प्रतिद्वन्द्वी पर शस्त्र न उठाना, सताए निर्बलों को सहायता देना और प्रत्येक क्षण प्राणों को हथेली पर लिए घूमना, उसका बाना था। उन्हें लोग काशी में 'गुण्डा' कहते थे।

(i) उपर्युक्त अनुच्छेद के पाठ का नाम और लेखक का नाम बताइये।

(ii) अठारहवीं शताब्दी में काशी की सामाजिक और धार्मिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

(iii) समाज में व्याप्त अव्यवस्था के क्या परिणाम दिखाई दिये?

(iv) 'धर्मोन्माद' और 'नवागन्तुक' शब्दों के अर्थ बताइये।

(v) पाठ में 'गुण्डा' किसे कहा गया है और क्यों?

(ग) दो मनुष्य के बीच का टकराव जितना उनके व्यक्तित्व पर निर्भर नहीं करता, उतना करता है उसकी स्थिति पर। जेलों के कैदियों के बीच, जंजीर से बँधे पालतू कुत्तों के बीच, मालिक के अनुशासन तले पशुवत जीवन बिताते बँधवा मजदूरों के बीच भी

परस्पर तीखी घृणा तथा हिंसा का प्रदर्शन आम बात है। उनके द्वेष दूसरे के प्रति आक्रोश से नहीं, खुद अपने प्रति, अपनी पराश्रयी, हीन-स्थिति के प्रति एक उत्कट आत्मघृणा से उपजते हैं। पराधीन जो भी होगा उसे चूँकि 'सपनेहुँ सुख नहीं', मिलेगा, अत: वह एक-दूसरे को भी सुख देना क्यों चाहेगा? नारी को नारी से अलग करने भर से परिवारों में हिंसा और घृणा की प्रवृत्तियाँ नहीं मिटी हैं, मिटी हैं तो स्त्रियों की पराधीनता घटाने से।"

(i) मनुष्यों के टकराव के लिए स्थितियाँ कैसे उत्तरदायी होती हैं?

(ii) 'पराधीन सपनेहु सुख नाहिं'- का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iii) उपर्युक्त अनुच्छेद के पाठ तथा लेखक का नाम बताइये।

(iv) इसके मूल भाव को संक्षेप में व्यक्त कीजिए।

(v) 'पराश्रयी' और 'आत्मघृणा' शब्दों के अर्थ बताइये।

(10+10=20)

2. निम्नलिखत अनुच्छेद का दिए गए प्रश्नों के आधार पर विश्लेषण कीजिए-

"लिखते हुए ज्यों-ज्यों रचना आगे बढ़ती है, वह अपना स्वतंत्र अस्तित्व ग्रहण करने लगती है। कथानक, मूल रूप में भले ही वास्तविक जीवन से उठाया गया हो, भले ही सच्ची घटनाओं पर आधारित हो, फिर भी वह घटना जब उपन्यास के पन्नों पर आती है तो उसकी संगति उपन्यास की मांगों के अनुरूप होने लगती है। धीरे-धीरे उपन्यास में, वास्तविक जीवन में से उठाए गए पात्र, काल्पनिक पाठों के सहगामी होने लगते हैं। सूअर माने वाला नत्थू

काल्पनिक है, नत्थू और उसकी पत्नी दोनों काल्पनिक हैं इस तरह यथार्थ और कल्पना घुलने-मिलने लगते हैं। एक पात्र का काल्पनिक होना और दूसरे का वास्तविक होना, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दोनों का विश्वसनीय होना जरूरी है।"

(i) वास्तविक पात्र काल्पिनिक पात्रों के सहगामी कैसे हो जाते हैं? (3)

(ii) किसी भी रचना की सफलता के लिए कौन-सी विशेषता होनी आवश्यक है? (3)

(iii) प्रस्तुत अनुच्छेद का केन्द्रीय विचार बताइये। (4)

3. निम्नलिखित में से पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) जातीय भावना के संदर्भ में 'हम' और 'अन्य' का क्या अर्थ है? (अस्मिताओं का संघर्ष)

(ii) भिवंडी की सूनी गलियाँ लाँघते हुए लेखक के मन में कौन-कौन से विचार उमड़ रहे थे? (आज के अतीत से)

(iii) सुभद्राकुमारी चौहान अपनी किस राष्ट्रीय कविता के माध्यम से प्रसिद्ध हुईं। उस कविता की विशेषताएँ बताइये।
(आधुनिक हिंदी साहित्य की राजनीति विरासत)

(iv) 'गुण्डा' सम्प्रदाय की मुख्य विशेषताएँ बताइये। (गुंडा)

(v) हिन्दी की भूमिका आज अधिक विस्तृत क्यों हो गई है?
(भाषा बहता नीर)

(vi) लेखक के अनुसार मनुष्य और पशु में मूलभूत अंतर क्या है? (हँसो, हँसो जल्दी हँसो)

(vii) 'नारी ही नारी की दुश्मन होती है'- लेख के संदर्भ में इसका आशय स्पष्ट कीजिए। (मित्र-संलाप)

(10)

4 सूरज का सातवाँ घोड़ा के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) माणिक मुल्ला की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

(ii) माणिक मुल्ला और तन्ना समाज में किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं?

(iii) उपन्यास के सातवें घोड़े का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) जो कुछ लिखता हूँ उनमें सामाजिक उद्देश्य अवश्य है, पर वह स्वान्तः सुखाय भी है-उपन्यास के संदर्भ में इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(v) यह एक प्रेम कथात्मक उपन्यास है-इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(vi) जमुना और तन्ना का विवाह न होने के कारण पर प्रकाश डालिए।

(vii) सती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'यात्राएँ' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) केरल से संबद्ध विभिन्न साहित्यकारों पर प्रकाश डालिए।

(ii) मि. पी. बैरन का नैनीताल से क्या संबंध था?

(iii) नार्वे के बड़े बंदरगाहो में किसकी गणना की जाती है?

(iv) विश्वकवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर की यात्राओं का वर्णन कीजिए।

(v) लेखक को नार्वे 'समाजवादी देश' क्यों लगता है?

(vi) कुशीनारा में स्थित दर्शनीय स्थलों का वर्णन कीजिए।

(vii) 'नागा-प्रदेश की हरित भूमि पर रक्त-गाथा'-कथन का अभिप्राय बताइये। (2×5=10)

5. निम्नांकित विषयों में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए।

(i) भ्रष्टाचार

(ii) छात्र और राजनीति

(iii) मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना (8)

6. निम्नलिखित अंश का संवाद में अंतरण कीजिए।

एक पहर बीत जाने पर वे फिर ममता के पास आए। उस समय उनके पीछे दस सेवक चाँदी के बड़े थालों में कुछ लिए खड़े थे, अनेक मनुष्यों के पदों की आवाज़ सुनकर ममता ने पीछे घूमकर देखा। मंत्री जी ने सब थालों को रखने का संकेत किया। अनुचर थाल रखकर चले गए। ममता ने जिज्ञासा के लहजे में पिताजी से कहा- यह क्या है? पिताजी? पिताजी ने उन थालों पर पड़े आवरण को हटाकर कहा- तेरे लिए उपहार है, बेटी! ममता का चौंक जाना स्वाभाविक

था। उसने पूछा कि इतना स्वर्ण कौन लाया और कहाँ से आया? क्या आपने म्लेच्छों से रिश्वत ली है? (5)

7. (क) कोश किसे कहते हैं? अंग्रेजी हिंदी कोश की विशेषताएँ बताइये। (4)

(ख) निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए-

अंग्रेजी, अंतर, सृष्टि, सूनापन, ज्ञान, प्रकाश, अवसर, भाषा (4)

अथवा

किन्हीं **दो** अवधारणामूलक शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए।

मनोविश्लेषण, उपभोक्तावाद, साक्षरता, साम्प्रदायिक

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वाक्यों का पदक्रम व्यवस्थित कीजिए।

(i) दोनों घात में थे एक-दूसरे को ठगने की।

(ii) एक बार भगत जी दिख गए बाजार वाले चौक में।

(iii) क्या बोला तुझे अफसर ने।

(iv) सत्यनारायण ने लिया कर स्नान दुबारा।

(v) डोली थी कोई छाया अहाते के पास।

(vi) इलाहाबाद का क्या स्वप्न है वास्तविक।

(vii) मैं घुसी कमरे में यह सोचते-सोचते सब। (4)